देशों के साथ काम करना

आज, देश स्वयं, ना कि बैंक, विश्व बैंक स्टाफ से तकनीकी सहायता के साथ, अपना कार्यक्रम की कार्यवाही चलाते हैं।

ऋण एवं अनुदान क्षमता एवं प्रशासन

देशों के बीच बैंक की चयनात्मकता को निर्देशित करने के मुख्य आधार गरीबी और निष्पादन हैं, बैंक उन देशों को ऋण देने पर अपना ध्यान केन्द्रित करता है जहां पर नीति संबंधी वातावरण समग्र रूप से सहायता के प्रभावी बना सकता है और जहां बैंक की उपस्थिति का उच्च प्रभाव पड़ेगा।

मिलेनियम विकास लक्ष्यों को हासिल करना—या किसी भी सहायता को कारगर रूप से उपयोग करना—प्रत्येक देश की विकास कार्ययोजना और इसकी विकास के प्रति प्रतिबद्धता की ताकत और व्यापकता पर निर्भर करता है। देश का स्वामित्व बैंक की व्यापक विकास कार्य योजना का एक केन्द्रीय सिद्धान्त है और यह बैंक–ग्राहक सम्बन्धों का पथ प्रदर्शन करता है। हर कार्ययोजना अच्छी नीतियों, संस्थाओं और शासन के इर्द–गिर्द निर्मित की जानी चाहिये जिन्हें विकास सहायता के बढ़े स्तरों और एक सुधरी हुई अन्तर्राष्ट्रीय भागीदारी द्वारा समर्थन दिया जाता है।

कन्ट्री असिस्टेंस स्ट्रेटेजीज़ बैंक और हर ऋण लेने वाले देश के बीच भागीदारी को वर्णित करती हैं। सी ए एस, जिसमें सामान्यतया तीन वर्ष की अवधि शामिल होती है, आवश्यकताओं और पोर्टफोलियो निष्पादन पर आधारित है और प्रदान की जाने वाली सहायता के गठन और स्तर को परिभाषित करती है।

ऋण कार्यक्रम
निम्न आय वाले देशों में, जो कि इन्टरनेशनल डेवेलपमेन्ट एसोसिएशन (आई डी ए) से अनुदानों और ब्याज-मुक्त साख सुविधाओं के लिए पात्र हैं, किसी भी बैंक सहायता कार्यक्रम की तैयारी से पहले, सी डी एफ सिद्धान्तों की एक पॉवर्टी रिडक्शन स्ट्रैटेजी पेपर (पी आर एस पी) में संहिता बनायी जानी चाहिये। 1999 से, पी आर एस पी - जिन्हें किन्हीं भी विकास योजनाओं में गरीबी मिटाने के केन्द्रीय लक्ष्य के रूप में रखना चाहिये और निजी क्षेत्र तथा नागरिक समाज जैसे सक्रिय कार्यकर्ताओं की समुचित रूप से सेवा लेनी चाहिये - वित्तपोषण व अन्य सहायता तथा ऋण राहत (जहां पर लागू हो)पर विचार करने के लिए ज़रूरी है।
चूंकि अधिकांश मध्यम आय वाले देशों (770के पी डी एफ) में गरीबी मिटाना एक गम्भीर मुद्दा रहता है, इसलिए आई बी आर डी ऋणों के माध्यम से बैंक को एक भूमिका निभानी है। प्राय: इसका अर्थ निजी पूंजी आकर्षित करने योग्य निवेश का माहौल पैदा करने की दिशा में काम करना तथा मानव पूंजी निर्माण एवं आर्थिक अवसरों की सुलभता की समानता प्रदान करने की दिशा में प्रभावी और न्यायसंगत सामाजिक व्यय कार्यक्रमों की स्थापना में मदद करना है।

- ***विश्व के गरीब लोगों का काफी अनुपात मध्यम आय वाले देशों में रहता है, जिन्हें आमतौर पर अन्तर्राष्ट्रीय पूंजी बाजारों की उपलब्धता सुलभ है, यद्यपि यह सीमित है और अक्सर परिवर्तनशील है।***

गैर-ऋण सम्बन्धी सहायता
कर्ज़दार उन परियोजनाओं के लिए जो उनके विकास प्रयासों को आगे बढ़ाने हेतु चिन्हित की जा चुकी हैं ऋण और गैर-ऋण सम्बन्धी सहायता दोनों प्राप्त करते हैं। आर्थिक और सेक्टर कार्यो को कर्जदारों के विकास कार्यक्रमों की समस्याओं, बाहरी वित्तपोषण की जरूरत और प्राप्ति, विकास कार्ययोजनाओं के मूल्यांकन एवं विश्लेषण के लिए साधन तथा धनदाता देशों के सहायता कार्यक्रमों को ध्यान में रख कर तैयार किया जाता है। आर्थिक और सेक्टर कार्य का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य उच्च लाभ वाली परियोजनाओं को पहले ही पहचान कर लेना है जिनसे गरीब लोग सीधे लाभार्थी होते हों।

- ***बैंक का आर्थिक और सेक्टर कार्य बैंक की सलाह या नीतियों तथा सार्वजनिक खर्चों - और परियोजनाओं व अन्य कार्यो के विकास के लिए विश्लेषणात्मक आधार प्रदान करता है।***

अनुदान बैंक के विकास कार्य का एक अखंड हिस्सा है। आई डी ए के माध्यम से प्रदान किये जाने वाले अनुदानों के अलावा, बैंक लगभग एक दर्जन अनुदान कार्यक्रमों और प्रतिवर्ष 1 बिलियन डॉलर से अधिक की राशि वितरित करने वाले लगभग 850 धनदाता ट्रस्ट फंड का प्रशासन करता है।
किसी प्राकृतिक आपदा या अर्थव्यवस्था पर पर्याप्त असर डालने वाली तथा शीघ्र कार्यवाही चाहने वाली किसी घटना के लिए आपातकालीन सहायता उपलब्ध है। यह सहायता विभिन्न रूपों में हो सकती है। उदाहरण के लिए, बैंक सुधार प्रयासों को सहारा देने के लिए एक सुधार कार्ययोजना तैयार कर सकता है और विद्यमान ऋण पोर्टफोलियो को नया रूप दे सकता है। बैंक शीघ्र वितरित किये जाने वाले आपातकालीन ऋण भी जारी करता है। उदाहरण के लिए बैंक ने हाल ही में इथोपिया, मलावी और ज़ाम्बिया को सूखे से उबरने के लिए 160 मिलियन डॉलर प्रदान किये। बैंक ने भारत को जनवरी 2001 के गुजरात में भूकम्प के बाद पुनर्निमाण के लिये लगभग 600 मिलियन डॉलर प्रदान किये।

बैंक विनाश प्रबन्धन के लिये परियोजनायें भी तैयार करता है - उदाहरण के लिए, बाढ़ रोकने के उपायों तथा जंगल में आग से बचने के उपायों को लागू करने में। 1980 से, विश्व बैंक ने विनाश से सम्बन्धित 500 से अधिक कार्य स्वीकृत किये हैं जिनके लिए दी गई धनराशि 38 बिलियन डॉलर से अधिक है।

युद्ध निवारण और युद्ध के बाद पुनर्निर्माण गरीबी मिटाने के लिये महत्वपूर्ण हैं। इस क्षेत्र में बैंक की भूमिका युद्ध के बाद बुनियादी आवश्यकताओं के पुनर्निर्माण की तुलना में अधिक व्यापक हो गयी है। इसमें अब आर्थिक स्थिति की वापसी, क्षमता निर्माण, स्थानीय समुदाय विकास, खानों की सफाई, पूर्व सैनिकों की नौकरी से मुक्ति और उनका पुन: एकीकरण, तथा शरणार्थियों का पुन: एकीकरण शामिल है।

1990-2002 के दौरान, विश्व में 44 विभिन्न स्थानों पर 56 मुख्य सशस्त्र युद्ध हुए जिन्होंने गरीबी को बदतर बनाया और विकास के प्रयासों में बाधा डाली।

इन झगड़ों के प्रत्युत्तर में हाल ही के प्रयासों में शामिल हैं:

- अफगानिस्तान में सार्वजनिक प्रशासन, शिक्षा विस्तार और आवश्यक बुनियादी ढाँचे का पुनर्निर्माण (368 मिलियन डॉलर);
- कांगो लोकतन्त्रीय गणतन्त्र में देश को कृषि सम्बन्धी उत्पादन को सुधारने और खाद्य सुरक्षा को बढ़ाने, महत्वपूर्ण आवश्यक बुनियादी ढाँचे तथा आवश्यक सामाजिक सेवाओं की पुनर्स्थापना एवं सरकार की अपने विकास कार्यक्रमों को तैयार करने और लागू करने की क्षमता को मजबूत करने के लिए 454 मिलियन डॉलर का बहुक्षेत्रीय पुनर्वास व पुनर्निर्माण कार्यक्रम;
- कम्बोडिया, चाड, जिबोटी, इथोपिया, मोजाम्बीक, सिएरा लिओन जैसे देशों एवं ग्रेट लेक्स क्षेत्र में पूर्व सैनिकों की नौकरी से मुक्ति और पुन: एकीकरण; तथा अज़रबेजान, लाइबेरिया, रवांडा व सिएरा लिओन में विस्थापित लोगों के पुन: एकीकरण में सहायता;
- लैंडमाइन की सफाई हेतु वित्तपोषण के बैंक के मार्गदर्शी सिद्धान्तों के अनुसार अज़रबेजान, बोसनिया, क्रोएशिया और इथोपिया में माइन एक्शन कार्यक्रम में सहायता;

आई डी ए के अनुदानों के अलावा, बैंक ने मल्टी डोनर अनुदान व अन्य विशेष सहायता प्रक्रियाएं लागू कीं, बैंक का पोस्ट-कान्फलिक्ट फंड (पी सी एफ) अनुदान धन उपलब्ध कराता है- 1997 से 48 देशों में अनुदानों के लिए 53 मिलियन डॉलर, जिसमें शामिल हैं:

- अफगानिस्तान में, अफगान व अन्य पूंजीधारक भागीदारों के साथ एक पुनर्निर्माण कार्ययोजना, एक समुदाय - सशक्तिकरण कार्यक्रम, तथा प्राथमिकता के क्षेत्र का एक सहायता कार्यक्रम।
- रेडक्रॉस की अन्तर्राष्ट्रीय फेडरेशन द्वारा लागू किया गया सोमालिया में स्वास्थ्य क्षेत्र का पुनर्वास।
- युद्ध के मनोवैज्ञानिक-सामाजिक प्रभावों पर ध्यान केन्द्रित करते हुए बोसनिया में ट्रैवनिक मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के लिए नवीनीकृत सहायता।
- कांगो के लोकतन्त्रीय गणतन्त्र में ग्रामीण संचार सम्पर्कों की पुनर्स्थापना।

देशों द्वारा निर्धारित कार्यक्रमों पर बल देने से देशों के अन्दर विकास क्षमता निर्माण पर एक समानान्तर प्रभाव के लिए मार्गप्रशस्त किया है। विकास के बारे में सोच को बदलने - और अधिक विस्तृत होने, देशों के द्वारा संचालित होने, उत्तरदायी और परिणाम मापे जाने योग्य होने के लिए - उस क्षमता की जरूरत होती है जो अक्सर पहले विद्यमान नहीं होती थी। बैंक के अधिक से अधिक संसाधन देशों के अन्दर उनमें अपने विकास की व्यवस्था करने की योग्यता को विकसित करने पर लगाये जा रहे हैं।

यह एक प्रकार का "ज्ञान या जानकारी को बांटना" है और इसने काम करने के नये तरीकों का मार्ग प्रशस्त किया है - विशेष रूप से वे गतिविधियां जिनमें सरकारी अधिकारी एन जी ओ तथा निजी क्षेत्र के प्रतिनिधि व धनदाता सरकार के साथी एक टीम का हिस्सा हो जाते हैं जो ज्ञान और जानकारी को आपस में बांटती है और इस तरह ऐसे कार्यक्रम बनाने योग्य होते हैं जिन पर सरकार का वास्तविक स्वामित्व और वचनबद्धता होती है।

अधिकाधिक रूप से, बैंक ऐसे प्रयासों को नयी टेक्नालॉजी आधारित कार्यक्रमों के साथ परिपूरित कर रहा है। उदाहरण के लिए, ग्लोबल डेवेलपमेन्ट लर्निंग नेटवर्क ने इसे 2001 में 45,000 सरकारी और निजी क्षेत्र के प्रतिभागियों तक पहुंचाया। डेवेलपमेन्ट गेटवे भी सूचना सुलभ कराने के लिये एक अनोखा पोर्टल प्रदान करता है - जिसमें पूरे विश्व में की जा रही 300,000 धनदाता समर्थित गतिविधियों का विवरण है। विश्व बैंक इन्स्टिट्युट ने क्षमता बढ़ाने के लक्ष्य पर आधारित बहुत से प्रसंगात्मक कार्यक्रम तैयार किये हैं। बैंक ने ग्लोबल डेवेलपमेन्ट नेटवर्क को भी सहारा दिया है जो विकसित और विकासशील देशों में शोध संस्थाओं को जोड़ता है और यह सुनिश्चित करता है कि गरीबी मिटाने के एजेन्डे पर शोध करने की विधि में अन्तर कम हो जाये। अफ्रीकन वरचुअल यूनिवर्सिटी अफ्रीकी विश्वविद्यालयों के साथ उनके स्तरों को ऊंचा करने के लिए काम करती है। टेक्नालॉजी के क्षेत्र में इन्फोडेव डिजिटल विभाजन को पाटने में मदद करने के लिए प्रायोगिक गतिविधियों को सहारा देता है। वर्ल्ड लिंक फॉर डेवेलपमेन्ट विकासशील देशों में माध्यमिक स्कूलों में

विद्यार्थियों और अध्यापकों को ओद्योगिक देशों में उनके समकक्ष लोगों के सम्पर्क में लाता है तथा विद्यार्थियों और अध्यापकों के लिये टेक्नालॉजी को उनके पाठ्यक्रमों में जोड़ने में मदद करता है।

भ्रष्टाचार रोकना

नियन्त्रण : बाह्य वित्तपोषण के गरीबी मिटाने के लिए कारगर रूप से प्रयोग किये जाने के लिए, इसका प्रबन्धन ईमानदारी और पारदर्शी रूप से किया जाना चाहिये। **1996** से बैंक ने लगभग **100** ग्राहक देशों में **600** से अधिक विशिष्ट भ्रष्टाचार विरोधी कार्यक्रम और नियन्त्रण कार्यवाहियां शुरू की हैं। बैंक का दृष्टिकोण इसके नियन्त्रण और सार्वजनिक क्षेत्र कार्य योजना पेपर, रिफॉर्मिंग पब्लिक इन्स्टिट्युशन्स एंड स्ट्रेंग्थनिंग गवर्नेंस, ए वर्ल्ड बैंक स्ट्रैटेजी में परिभाषित है।

लगभग एक चौथाई नयी परियोजनाओं में अब सार्वजनिक व्यय और वित्तीय सुधार के घटक शामिल हैं।

जहां **1980** में बैंक ऋण का केवल **0.6** प्रतिशत सार्वजनिक क्षेत्र सुधार को समर्थन देने वाली परियोजनाओं में गया था, वहीं पर वित्तीय वर्ष **2000** तक यह हिस्सा **16** प्रतिशत तक बढ़ गया है। सार्वजनिक व्यय और वित्तीय सुधार घटकों वाली नयी परियोजनाओं का हिस्सा वित्तीय वर्ष **1997** के **9** प्रतिशत से वित्तीय वर्ष **2000** में **23** प्रतिशत हो गया। इसी बीच भ्रष्टाचार विरोधी या वित्तीय पारदर्शिता घटकों के साथ सामन्जस्य ऋणों का हिस्सा वित्तीय वर्ष **1998** के **8** प्रतिशत से बढ़कर वित्तीय वर्ष **2000** में अनुमानित **50** प्रतिशत तक बढ़ गया। भ्रष्टाचार विरोधी परियोजओं के हाल ही के उदाहरणों में शामिल हैं:

- कोलम्बिया और वेनेज़ुअला में कर सुधार के लिए सहायता
- स्लोवाकिया में न्यायिक सुधार
- रूस और यूक्रेन में नियमन संबंधी (रेगुलेटरी) सुधार
- तंजानिया और यमन में प्रशासनिक और सिविल सेवा सुधार
- लेटविया और कम्बोडिया में व्यापक प्रशासन सुधार
- बुर्किना फासो, घाना और मलावी में सार्वजनिक व्यय तथा वित्तीय प्रबन्धन संबंधी सुधार

इसके अलावा, बैंक ने देश-विशेष के विश्लेषण किये हैं- जिनमें अल्बेनिया, अर्जेन्टीना, कम्बोडिया, जार्जिया, लेटविया, रोमानिया, स्लोवाकिया, इक्वेडॉर और युगांडा में - भ्रष्टाचार सर्वेक्षण, व्यय सर्वेक्षण तथा सार्वजनिक अधिकारियों के सर्वेक्षण शामिल हैं।

बैंक द्वारा वित्तपोषित परियोजनाओं में भ्रष्टाचार रोकना। **1997** की भ्रष्टाचार विरोधी कार्ययोजनाओं के अन्तर्गत, बैंक ने आन्तरिक नियन्त्रणों में अपना विशेष दृष्टिकोण अपनाया, जिसका अब वित्तीय संस्थाओं द्वारा व्यापक रूप से प्रयोग किया जाता है। बैंक अब कायदे से मुख्य जोखिमों का आकलन करता है और साथ ही साथ आन्तरिक नियन्त्रणों तथा अनुपालन की समीक्षा करता है। स्टाफ व अन्य लोगों के लिए भ्रष्टाचार को रिपोर्ट करना सरल बनाने के लिये बैंक ने एक **24** घंटे काम करने वाली गुमनाम अन्तर्राष्ट्रीय हॉटलाइन **1-800-831-0463** स्थापित की है।

सितम्बर **2001** तक बैंक की जाँच-पड़तालों के परिणामस्वरूप **72** कार्यालयों और व्यक्तियों को, बैंक द्वारा वित्तपोषित भावी ठेकों के लिए स्थायी रूप से प्रतिबन्धित कर दिया गया है। विश्व बैंक ऐसा पहला बहुपक्षीय विकास बैंक है जिसने अपनी वेबसाइट पर उन फर्मों और व्यक्तियों के नाम प्रकाशित किये जिन्हें किसी प्रकार की धोखाधड़ी करने या भ्रष्टाचार का दोषी पाया गया।